चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS) के अनुरूप अधिगम- परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)

एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम

(2020-2022)

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

इतिहास विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) के अनुरूप मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ के अंतर्गत संचालित किए जाने हेतु प्रस्तावित एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम के अंतर्गत मूल एवं ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं का विवरण

एम.ए. इतिहास पाठ्यक्रम (चार सेमेस्टर: कुल 90 क्रेडिट)

मूल पाठ्यचर्या : 64 क्रेडिट

ऐच्छिक पाठ्यचर्या : 26 क्रेडिट

प्रथम वर्ष (क्रेडिट = 44)

प्रथम सेमेस्टर			
क्र.	**कोड**	**विषय/प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
1	एम.ए. एच. 01	मूल पाठ्यचर्या : इतिहास लेखन	4
2	एम.ए. एच. 02	मूल पाठ्यचर्या : प्राचीन भारतीय संस्कृति	4
3	एम.ए. एच. 03	मूल पाठ्यचर्या : प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
4	एम.ए. एच. 04	मूल पाठ्यचर्या : प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)	4
5	एम.ए. एच. ऐच्छिक 01	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : इतिहास और लैंगिकता	4
	एम.ए. एच. ऐच्छिक 02	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : प्राचीन विश्व का इतिहास	2
		क्रेडिट	22

द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय सेमेस्टर			
क्र.	**कोड**	**विषय/प्रश्न पत्र का नाम**	क्रेडिट
1	एम.ए. एच. 05	मूल पाठ्यचर्या : मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4
2	एम.ए. एच. 06	मूल पाठ्यचर्या : मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)	4

3	एम.ए. एच. 07	मूल पाठ्यचर्या : आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)	4
4	एम.ए. एच. 08	मूल पाठ्यचर्या : आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)	4
5	एम.ए. एच. ऐच्छिक 03	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : इंग्लैंड का राजनतिक एवं संवधानिक इतिहास (भाग-1)	4
	एम.ए. एच. ऐच्छिक 04	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : इंग्लैंड का राजनतिक एवं संवधानिक इतिहास (भाग-2)	2
		क्रेडिट	22

द्वितीय वर्ष (क्रेडिट = 46)

तृतीय सेमेस्टर			
क्र.	**कोड**	**विषय/प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
1	एम.ए. एच. 09	मूल पाठ्यचर्या : भारत में अंग्रेजों का आगमन	4
2	एम.ए. एच. 10	मूल पाठ्यचर्या : भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास	4
3	एम.ए. एच. 11	मूल पाठ्यचर्या : आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार	4
4	एम.ए. एच. 12	मूल पाठ्यचर्या : स्वातंत्र्योत्तर भारत	4
5	एम.ए. एच. ऐच्छिक 05	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : भारतीय प्रवासन एवं डायस्पारो : समुद्रपारीय भारतीय समुदाय	4
	एम.ए. एच. ऐच्छिक 06	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : आधुनिक एशिया का इतिहास	4
		क्रेडिट	24

चतुर्थ सेमेस्टर			
क्र.	**कोड**	**विषय/प्रश्न पत्र का नाम**	**क्रेडिट**
1	एम.ए. एच. 13	मूल पाठ्यचर्या : भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन	4
2	एम.ए. एच. 14	मूल पाठ्यचर्या : आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक	4

3	एम.ए. एच. 15	मूल पाठ्यचर्या : भारतीय संविधान	4
4	एम.ए. एच. 16	मूल पाठ्यचर्या : लघु शोध प्रबंध	4
5	एम.ए. एच. ऐच्छिक 07	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास	4
	एम.ए. एच. ऐच्छिक 08	ऐच्छिक पाठ्यचर्या : महाराष्ट्र का इतिहास	2
		क्रेडिट	22

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Teaching Programme

1. **विभाग/केंद्र का नाम :** इतिहास
   (Name of the Department/Centre)

2. **पाठ्यक्रम का नाम :** एम.ए.
3. **(Name of the Programme)**

4. **पाठ्यक्रम कोड :**एमएएच
   (Code of the Programme)

5. **अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):**
   (Programme Learning Outcomes)
   (विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
एम.ए इतिहास का पाठ्यक्रम यू.जी.सी के नियमानुसार भारत भर के विश्वविद्यालयों में पढ़ाये जा रहे इतिहास के पाठ्यक्रमों से समतुल्यता रखता है। यह पाठ्यक्रम पढ़ने के बाद विद्यार्थी मुख्यत: भारत तथा अंशत: विश्व के इतिहास को समझा सकने की अंत दृष्टि से संपन्न होंगे। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य सिर्फ विद्यार्थियों को जिसे इतिहास की घटनाओं से परिचित कराना भर नहीं है बल्कि इसे पढ़ते हुए वे वास्तविक रूप से इतिहास बोध, इतिहास दृष्टि और इतिहास चेतना से संपन्न हो सकेंगे। यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सच्चे अर्थों में इतिहास में नये क्षेत्रों के अनुसंधान के लिये प्रवृत्त कर सकेगा और हिंदी में समाजविज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान उत्पादन की दृष्टि से यह एक महत्वपूर्ण पहल होगी।	इतिहास दृष्टि और इतिहास लेखन पर विशेष आग्रह इस पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषता है। प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास लेखन की प्रविधियों पर केंत्रित इसकी पाठ्यचर्या में विद्यार्थियों को इतिहास के उपादानों के प्रयोगों के प्रति दक्ष कर सकेगी। विद्यार्थी इतिहास से अभिलेखों, विवरणों, दस्तावेजों आदि को सही संदर्भों में पढ़ सकने के कौशल का विकास कर सकेंगे।	इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद विद्यार्थी उच्च शिक्षा में अध्ययन एवं अध्यापन के लिए अपने अवसरों को सृजित कर सकते हैं। भारतीय एवं राज्य प्रशासनिक सेवाओं में इतिहास विषय के साथ सफलता प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही वे ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों के योग्य जानकार के रूप में अपनी निजी सेवाएँ भी प्रदान कर सकते हैं।

6. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure) :

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा, तदनुरूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	**64 क्रेडिट**	**26 क्रेडिट**	**90 क्रेडिट**

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनों के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता **(अतिरिक्त अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	पर्यावरण **(अनिवार्य-1)** 04 क्रेडिट	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार **(अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा **(अतिरिक्त अनिवार्य-2)** 04 क्रेडिट	भारतीय संस्कृति **(अनिवार्य-3)** 02 क्रेडिट	भारतीय चिंतक **(अनिवार्य-4)** 02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 06 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट	**समूह क** 09 क्रेडिट

विकल्प 1	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**समूह ख** 06 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट	**समूह ग** 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**समूह ग** 12 क्रेडिट	**कोई एक चयनित विषय** 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	**22 क्रेडिट**	**22 क्रेडिट**	**18 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**	**20 क्रेडिट**
	कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट					

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	**समूह-ख**	**समूह-ग**	**अनिवार्य पाठ्यचर्या**	**अतिरिक्त अनिवार्य पाठ्यचर्या***
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक	1. कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (*स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

1. **समूह-क** सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
2. विद्यार्थी **समूह-ख** एवं **समूह-ग** से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा **समूह-ग में उपरिलिखित विषयों में** से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में **समूह-ख** से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: इतिहास लेखन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच 01
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-1

इतिहास लेखन की परिभाषा, स्वरूप,अध्ययन क्षेत्र, लेखन में सहायक शास्त्र एवं इतिहास जानने के स्रोतों का वर्णन किया गया है। इतिहास लेखन के प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत, आंकड़ों का चयन एवं संग्रहण प्रक्रिया को दर्शाया गया है। इतिहास में कारणवाद, वस्तुनिष्ठता, स्रोत परीक्षण एवं टिप्पणी और सदर्भों की पद्धति को बताया गया है। भारतीय इतिहासबोध एवं प्राचीन भारतीय इतिहास लेखन को बताया गया है। मध्यकालीन इतिहास लेखन, आधुनिक इतिहास लेखन एवं उनके विभिन्न दृष्टिकोणों के विषय में उल्लेख किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-1

1. विद्यार्थी इतिहास लेखन की विभिन्न प्रविधियों एवं सिद्धांतों से परिचित हो सकेंगे।
2. वे इतिहास में शोध पद्धति प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोत और उनके परीक्षण से परिचित हो सकेंगे।
3. वे प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत तथा उनके सहायक स्रोतों को समझ सकेंगे।
4. वे भारतीय इतिहास लेखन के विभिन्न चरणों : प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास लेखन से परिचित हो सकेंगे।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **इतिहास का परिचय व प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत** 1. इतिहास लेखन – परिभाषा 2. इतिहास : स्वरूप, अध्ययन क्षेत्र 3. इतिहास तथा इसके सहायक शास्त्र – पुरातत्व, पुरालेखशास्त्र, प्रतिमाशास्त्र और मुद्राशास्त्र 4. प्राचीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **इतिहास की शोध पद्धति** 1. इतिहास के स्त्रोत – प्राथमिक एवं द्वितीयक 2. आंकड़ों का संग्रहण एवं चयन 3. स्रोत परीक्षण – बाह्य एवं आंतरिक 4. पाद् टिप्पणी एवं संदर्भ ग्रंथ सूची	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **इतिहास लेखन के विभिन्न सिद्धांत** 1. कारणवाद – कार्य कारण सिद्धांत 2. इतिहास लेखन में वस्तुनिष्ठता एवं पूर्वाग्रह 3. प्रत्यक्षवाद 4. इतिहास का चक्रवादी सिद्धांत	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय इतिहास-लेखन** 1. इतिहास का आरंभिक इतिहास भारतीय बोध 2. प्राचीन भारतीय-इतिहास लेखन 3. मध्यकालीन भारतीय इतिहास-लेखन 4. आधुनिक भारतीय इतिहास-लेखन – औपनिवेशिक, राष्ट्रवाष्टी, मार्क्सवादी, सबाल्टर्न	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. शेख अली बी. : हिस्ट्री : इट्स थिओरी एंड मेथड, ट्रिनिटी प्रेस, नई दिल्ली, 1978
2. शर्मा तेजराम : हिस्टोरिओग्राफी ए हिस्ट्री ऑफ हिस्टोरिकल राइटिंग, नई दिल्ली, 2005
3. कुप्पुरम जी. एवं कुमुदमनी के. : मेथड्स ऑफ हिस्टोरिकल रिसर्च, नई दिल्ली, 2002
4. मनिक्कम वी. : ऑन हिस्ट्री एंड हिस्टोरिओग्राफी, मदुरई, 2003
5. श्रीवास्तव बी. के. : इतिहास लेखन : अवधारणा, विधायें एवं साधन, आगरा, 2008
6. श्रीधरन ई. : इतिहास-लेख, ओरियंटल ब्लैकस्वॉन नई दिल्ली, 2011
7. कोठेकर शांता : इतिहास तंत्र एवं विज्ञान, नागपुर, 2015
8. पान्डे जी. सी. (संपादित) : इतिहास स्वरूप एवं सिद्धांत, जयपुर, 1973
9. राधेशरण : इतिहास और इतिहास लेखन, भोपाल, 2010
10. चौबे झारखंड : इतिहास दर्शन, वाराणसी, 2001
11. सिंह परमानंद: इतिहास दर्शन, दिल्ली, 1992
12. कार ई. एच. : इतिहास क्या है, दिल्ली, 1962

13. दुबे जे. एन. : इतिहास विज्ञान, वाराणसी, 1988

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियमके प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारतीय संस्कृति
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच 02
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

5. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-2

प्राचीन भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के अंतर्गत- प्रागैतिहासिक संस्कृति, हड़प्पायुगीन कला एवं स्थापत्य और वैदिक कालीन धार्मिक स्थिति को दर्शाया गया है। सूत्रयुगीन एवं स्मृतियुगीन धर्म और संस्कृति तथा छठी शताब्दी ईसा पूर्व में धार्मिक आंदोलन व गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति के विषय में उल्लेख किया गया है। मौर्ययुगीन कला एवं स्थापत्य, मौर्योत्तरकालीन स्थापत्य शैलियों का वर्णन किया गया है। गुप्तकालीन एवं पूर्वमध्यकालीन कला और स्थापत्य के बारे में बताया गया है। प्राचीन भारत में शिक्षा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, नारी की स्थिति और भारतीय संस्कृति के प्रसार के बारे में दिया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-2

1. भारतीय सभ्यतागत आधार संबंधी तथ्यों, मान्यताओं एवं वाक्यों के विषय में स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी।
2. स्मृति, दर्शन,सूत्र आदि के विषय में आरंभिक चरणों एवं उनमें हुए परिवर्तन को समझा जा सकेगा।
3. प्राचीन काल में धर्म, संस्कृति, समाज एवं सत्ता के उद्भव, स्वरूप एवं विकास को जाना जा सकेगा।
4. भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण परिवर्तनों एवं उसके प्रसार और प्रभाव को समझा जा सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **सभ्यता एवं संस्कृति : परिभाषा एवं प्रारंभ** 1. सभ्यता एवं संस्कृति 2. प्रागैतिहासिक संस्कृति 3. हड़प्पा युगीन कला एवं स्थापत्य 4.वैदिक कालीन धार्मिक स्थिति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **धर्म एवं संस्कृति** 1. सूत्रयुगीन धर्म एवं संस्कृति 2. स्मृतियुगीन धर्म एवं संस्कृति 3. छठी सदी ई. पू. में धार्मिक आंदोलन 4. गुप्तकालीन धर्म एवं संस्कृति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **कला एवं स्थापत्य** 1. मौर्ययुगीन कला एवं स्थापत्य 2. मौर्योत्तर काल : गांधार एवं मथुरा कला शैली 3. गुप्तकालीन कला एवं स्थापत्य 4. पूर्व मध्यकालीन कला एवं स्थापत्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **संस्कृति का विकास** 1. प्राचीन भारत में शिक्षा 2. प्राचीन भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी 3. प्राचीन भारत में नारी 4. बृहत्तर भारत में भारतीय संस्कृति का प्रसार	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री

तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (**80**%)			**मौखिकी** (**20**%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. अग्रवाल, वासुदेव शरण, भारतीय कला, वाराणसी, 1977
2. उपाध्याय, भगवत शरण, भारतीय कला का इतिहास, नई दिल्ली, 1981
3. काला, एस. सी., सिंधु सभ्यता, इलाहाबाद, 1955
4. पिगेट स्टुअर्ट, प्री हिस्टोरिक इंडिया, लंदन, 1961
5. मार्शल, जॉन, मोहेनजोदड़ो एण्ड द इन्डस सिविलाइजेशन, लंदन
6. श्रीवास्तव, ए. लाल, भारतीय कला, इलाहाबाद, 1997
7. भारद्वाज, दिनेशचंद्र: आधुनिक भारतीय संस्कृति का इतिहास, लखनऊ, 1985
8. शर्मा, एल.पी. : आधुनिक भारतीय संस्कृति, आगरा, 1996
9. ओझा, फणीन्द्रनाथ : मध्यकालीन समाज एवं संस्कृति, दिल्ली, 1988
10. मिश्र, जयशंकर: प्राचीन भारत का सामाजिक इतिहास, पटना, 1978
11. गेरोला, वाचस्पति : भारतीय संस्कृति और कला, लखनऊ, 1985
12. दुबे, हरिनारायण : भारतीय संस्कृति, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद, 2009
13. दिनकर, रामधारी सिंह: संस्कृति के चार अध्याय, इलाहाबाद, 1994
14. अहमद, लईक : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, इलाहाबाद, 2006

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)
(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-1)
   (Name of the Course)

2. **पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच 03**
   (Code of the Course)

3. **क्रेडिट: 4** **4. सेमेस्टर: प्रथम**
   (Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पेपर-3

सिंधु घाटी सभ्यता के अंतर्गत हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो की नगर निर्माण योजना, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक जीवन तथा सभ्यता के पतन के संबंध में बताया गया है। वैदिक काल के अंतर्गत- वैदिक साहित्य, ऋग्वैदिक काल, उत्तरवैदिक काल और महाकाव्य काल का वर्णन किया गया है। छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति का उल्लेख किया गया है। महावीर एवं जैन धर्म, बुद्ध एवं बौद्ध धर्म तथा भौतिकवादी दार्शनिक संप्रदायों के अंतर्गत चरवाक और आजीवक संप्रदायों को उल्लेखित किया गया है। महाजनपद काल, मौर्य साम्राज्य, अशोक और उसका धम्म तथा मौर्य साम्राज्य के पतन के विषय में दर्शाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

पेपर-3

1. प्राचीन भारतीय सभ्यता के उद्भव, विकास एवं उसमें समय-समय पर हुए परिवर्तनों को समझा जा सकेगा।
2. प्राचीन भारतीय साहित्य वेद, उपनिषद, महाकाव्य, धार्मिक संप्रदायों के विषय में जानकारी स्पष्ट होगी।
3. भारतीय दर्शन जिनमें भौतिक एवं आध्यात्मिक दोनों के विकास एवं स्वरूप को जाना जा सकेगा।
4. भारतीय समाज में बदलाव के उन महत्वपूर्ण प्रयासों को जाना एवं समझा जा सकेगा जो जैन धर्म, बौद्ध धर्म एवं अन्य धार्मिक संप्रदायों के रूप में हमें पढ़ने को मिलते हैं।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		

				(Interaction/ Training/ Laboratory)		**share to the Course)**
मॉड्यूल-1	• **सिन्धु घाटी की सभ्यता** 1. हड़प्पा और मोहनजोदड़ो 2. नगर निर्माण योजना 3. सामाजिक आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 4. पतन व सातत्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **वैदिक काल** 1.वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, अरण्यक, उपनिषद) 2. ऋगवैदिक काल (1500-1000 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 3. उत्तर वैदिक काल (1000-600 BC) - राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं धार्मिक जीवन 4. महाकाव्य काल – रामायण और महाभारत	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **छठी शताब्दी ई.पू. में धार्मिक आंदोलन** 1. छठी शताब्दी ईसा पूर्व में सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थिति 2. महावीर एवं जैन धर्म 3. बुद्ध एवं बौद्ध धर्म 4. भौतिकतावादी संप्रदाय – चार्वाक, आजीवक	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **महाजनपद से मौर्य साम्राज्य** 1. महाजनपद और मगध साम्राज्य 2. मौर्य साम्राज्य 3. अशोक और उसका धम्म 4. मौर्य साम्राज्य का पतन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. पाण्डेय, विमल चन्द्र. (2002). *प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास (भाग-1).* इलाहाबाद : सेंट्रल पब्लिशिंग हाउस।
2. विद्यालंकार, सत्यकेतु. (1987). *प्राचीन भारत.* नई दिल्ली : श्री सरस्वती सदन।
3. वर्मा, दीनानाथ. (2002). *प्राचीन भारत.* नई दिल्ली : ज्ञानदा प्रकाशन।
4. झा, द्विजेन्द्र नारायण एवं श्रीमाली (1997.) *प्राचीन भारत का इतिहास.* दिल्ली : हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय।
5. शर्मा, एल.पी. (2007). *प्राचीन भारत.* आगरा : लक्ष्मी नारायण अग्रवाल।
6. शर्मा, रामशरण, प्रारंभिक भारत का परिचय, दिल्ली
7. पाण्डेय, विमल चन्द्र. (2002). *प्राचीन भारत का राजनीतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास (भाग-1).* इलाहाबाद : सेंट्रल पब्लिशिंग हाउस।
8. विद्यालंकार, सत्यकेतु. (1987). *प्राचीन भारत.* नई दिल्ली : श्री सरस्वती सदन।
9. झा, द्विजेन्द्र नारायण एवं श्रीमाली (1997). *प्राचीन भारत का इतिहास.* दिल्ली : हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय।

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदीविश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन भारत का इतिहास (भाग-2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-4

मौर्योत्तर काल के अंतर्गत- भारत पर वाह्य आक्रमण, शिल्प,व्यापार,नगर एवं दक्षिण के राजवंश और संगम युग तथा साहित्य के विषय में बताया गया है। गुप्तकालीन राजनैतिक उत्थान, सामाजिक-संस्कृति जीवन, आर्थिक जीवन तथा स्वर्णकाल पर विभिन्न मतों का वर्णन किया गया है। गुप्तोत्तर कालीन राजनीतिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक विकास तथा राजपूतों की उत्पत्ति व उत्थान का उल्लेख किया गया है। दक्षिण भारत में चालुक्य एवं पल्लव वंश के इतिहास को समझाया गया है। दक्षिण भारत की सामाजिक, आर्थिक एवं संस्कृतिक स्थिति और विकास के संबंध में विवरण दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-4

1. प्राचीन भारत में राजनैतिक उथल-पुथल एवं सत्ता संबंधी संघर्षों को समझा जा सकेगा।
2. भारतीय शिल्प, साहित्य, सामाजिक व्यवस्था एवं राजवंशों के विषय में स्पष्ट जानकारी प्राप्त होगी।
3. दक्षिण भारत के राजवंशों एवं उनके विपुल साहित्य को जाना एवं समझा जासकेगा।
4. प्राचीन भारत की अर्थव्यवस्था एवं व्यापार को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	● **मौर्योत्तर काल** 1. भारत पर बाह्य आक्रमण – शक, हूण, कुषाण 2. शिल्प, व्यापार, नगर (200 BC- 200 AD) 3. सुदूर दक्षिण का इतिहास – चोल,पांड्य, चेर 4. संगम युग एवं साहित्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	● **गुप्तकाल** 1. राजनैतिक उत्थान 2. सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन 3. आर्थिक जीवन 4. स्वर्णकाल : विभिन्न मत	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	● **गुप्तोत्तर काल (उत्तर भारत)** 1.राजनीतिक स्थिति 2.सामाजिक और आर्थिक स्थिति 3.सांस्कृतिक विकास 4.राजपूतों की उत्पत्ति एवं उत्थान	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	● **गुप्तोत्तर काल (दक्षिण भारत)** 1.चालुक्य, पल्लव 2.सामाजिक स्थिति 3.आर्थिक स्थिति 4.सांस्कृतिक विकास	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. रमशेचन्द्र मजूमदार : प्राचीन भारत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1962
2. जयचंद्र विद्यालंकार: भारतीय इतिहास की रूपरेखा, जिल्द 1-2, हिंदुस्ता नी एकेडेमी इलाहाबाद, 1942
3. अग्निहोत्री, प्रभुदयाल : पतंजलिकालीन भारत, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद् पटना, 1963
4. चन्द्रभान पाण्डेय : आंध्र सातवाहन साम्राज्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 1963
5. विमल चन्द्र पाण्डेय : प्राचीन भारत का राजनैतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास, इलाहाबाद।
6. मोतीचन्द्र : सार्थवाह, प्राचीन भारत का पथ पद्धति, बिहार राष्ट्र भाषा परिषद्, 1953
7. मिराशी, डॉ. वासुदेव विष्णु : वाकाटक राजवंश का इतिहास तथा अभिलेख, वाराणसी, 1964
8. राजबली पाण्डेय : प्राचीन भारत, नंदकिशोर एण्ड संस, वाराणसी, 1962
9. वासुदेवशरण अग्रवाल : पाणिनिकालीन भारत, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी, सं. 2012 वि.।
10. मोतीचन्द्र : प्राचीन भारतीय वेशभूषा, भारती भंडार, प्रयाग, सं. 2007।
11. प्रशांत कुमार जायसवाल - शककालीन भारत, साधना सदर लूकर गंज इलाहाबाद, फरवरी, 1993
12. राधाकुमुद मुकर्जी : प्राचीन भारत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1962
13. राजबली पाण्डेय : विक्रमादित्य, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1960
14. हरिदत्त वेदालंकार : भारत का सांस्कृतिक इतिहास, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली, 1962
15. ए.एल. वाशभ : अद्भुत भारत : शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा, 1967
16. जयचंद्र विद्यालंकार भारतीय इतिहास की मीमांसा, हिन्दी भवन, जालंधर और इलाहाबाद, 1960

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: इतिहास और लैंगिकता
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच (ऐच्छिक-01)
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-1 एच्छिक विषय

इतिहास लेखन में महिलाओं, उनकी दृश्यता एवं अदृश्यता तथा 19 वीं सदी में महिला से संबन्धित प्रश्नों और प्राचीन, मध्यकालीन व आधुनिक काल में स्त्री के संदर्भ में बताया गया है। मध्यकालीन भारत के अंतर्गत- इस्लाम और स्त्री, हिन्दू धर्म और स्त्री, भक्ति आंदोलन और स्त्री तथा विभिन्न धर्मों में स्त्री एवं उसकी स्थिति का वर्णन किया गया है। सामाजिक सुधार आंदोलन, राष्ट्रीय आंदोलन,शिक्षा एवं भारत विभाजन के अंतर्गत स्त्री के विषय में चर्चा की है। स्वतंत्रता उपरांत भारत में स्त्री तथा स्वायत्त महिला आंदोलन के बारे में उल्लेख किया गया है। वैश्वीकरण और स्त्री तथा जाति एवं सांप्रदायिकता के संदर्भ में स्त्री के बारे में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-1 एच्छिक विषय

1. भारतीय समाज में स्त्री की स्थिति, महत्व एवं योगदान को समझा जा सकेगा।
2. प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय धार्मिक आंदोलनों में महिलाओं की भूमिका को समझा जा सकेगा।
3. सामाजिक परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में स्त्री के महत्व को रेखांकित किया जा सकेगा।
4. साहित्यिक, धार्मिक, सामाजिक आदि प्रगति में स्त्री एवं उसके प्रयासों को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **स्त्री इतिहास : आवश्यकता और प्रारंभिक दृष्टिकोण** 1. इतिहास लेखन में महिलाएँ 2. इतिहास में महिलाओं की दृश्यता एवं अदृश्यता 3. 19वीं सदी में महिला प्रश्नों का इतिहास 4. इतिहास में स्त्री – प्राचीन, मध्य एवं आधुनिक काल	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **मध्यकालीन भारत और स्त्री** 1. इस्लाम और स्त्री 2. हिंदू धर्म एवं स्त्री 3. भक्ति आंदोलन एवं स्त्री 4. विभिन्न धर्मों में स्त्री	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **आधुनिक काल और स्त्री** 1. सामाजिक सुधार आंदोलन और स्त्री मुद्दे 2. राष्ट्रीय आंदोलन और स्त्री 3. स्त्री शिक्षा 4. विभाजन की त्रासदी और स्त्री	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **समकालीन इतिहास लेखन और स्त्री** 1. स्वतंत्रता उपरांत भारत में स्त्री 2. स्वायत्त महिला आंदोलन 3. वैश्वीकरण और स्त्री 4. जाति, सांप्रदायिकता और स्त्री	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Ed. John Mary Women's Studies in India: A Reader, New Delhi: Penguin, 2008
2. *Chakravarty umaa, Rewriting History: The Life and Times of Pandita Ramabai* (Kali for Women, 1998). ISBN 9381017948.
3. Kumkum Roy ,The Power of Gender and the Gender of Power: Explorations in Early Indian History
4. स्त्री संघर्ष का इतिहास" ,वाणी प्रकाशन ,राधा कुमार ,उन्नीसंवी सदी"
5. नारीवादी राजनीतिहिंदी माध्यम केंद्रीय निदेशालय, जिनी लोकनीता और साधना आर्या ,
6. Women's Studies in Indian Universities: Current Concerns Author(s): Veena Poonacha Source: Economic and Political Weekly, Vol. 38, No. 26 (Jun. 28 - Jul. 4, 2003), pp. 2653-2658Published by: Economic and Political Weekly
7. गुप्ता, स. क. (2007). *भारतीय नारी कल आज और कल*. नई दिल्ली: प्रकाशन संस्थान
8. त्रिपाठी, क. (2010). *औरत इतिहास रचा है तुमने*. नई दिल्ली:कल्याणी शिक्षा परिषद
9. स्त्री संघर्ष का इतिहास , राधा कुमार, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली
10. रेखा, क. (2006). *स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ*.नई दिल्ली: राजकमल प्रकाशन
11. नारीवादी सिद्दांत एवं वयवहार , शुभ्रा प्रमार, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2015
12. नारीवादी राजनीति :संघर्ष एवं मुद्दे ,साधना आर्य, निवेदिता मेनन, जिनी लोकनीता , हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय 2011,
13. *Women in early indian society: Reading in Early Indian History* , kumkum roy, Manohar Publisher and Distributors ,New Delhi , 2011
14. http://adhunikbhartkaitihaas.blogspot.com/2016/05/religious-and-social-reform-movement.html
15. https://feminisminindia.com/2017/02/02/women-struggles-history-hindi/

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्राचीन विश्व का इतिहास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच (ऐच्छिक-02)
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: प्रथम**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-2 एच्छिक विषय

पुरापाषाण, मध्य पाषाण एवं नवपाषाण युग तथा ताम्र-कांस्य युग के बारे में बताया गया है। प्राचीन विश्व की सभ्यताओं के अंतर्गत- मिस्र, मेसोपोटामिया, बेबीलोन एवं प्राचीन यूनान का वर्णन किया गया है। प्राचीन विश्व की सभ्यताओं के आलोक में रोमन, सुमेरियन, इंका एवं माया सभ्यता का उल्लेख किया गया है। प्राचीन विश्व में व्यापार एवं अर्थव्यवस्था को दर्शाया गया है। प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं में नगरीकरण, समाज एवं संस्कृति के बारे में चर्चा की गई है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-2 एच्छिक विषय

1. मानवीय इतिहास की अवस्थाओं एवं उसके विभिन्न चरणों को जाना जा सकेगा।
2. प्राचीन विश्व की सभ्यताओं के संदर्भ में धारणाओं एवं मानताओं को स्पष्ट किया जा सकेगा।
3. पुरातन काल में सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं उसके प्रवाह को स्पष्ट किया जा सकेगा।
4. प्राचीन व्यापार प्रणाली, उसकी संभावनाओं एवं सीमाओं को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मानव इतिहास की	13	02		15	25

	अवस्थाएँ 1.पुरापाषाण युग 2.मध्य पाषाण युग- आखेटक व पशुपालक 3.नव पाषाण युग- खाद्य उत्पादक 4.ताम्र-कांस्य युग					
मॉड्यूल-2	• **प्राचीन विश्व की सभ्यताएँ-I** 1. प्राचीन मिस्र 2. प्राचीन मेसोपोटामिया 3. बेबीलोन की सभ्यता 4. प्राचीन यूनान	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **प्राचीन विश्व की सभ्यताएँ-II** 1. रोमन सभ्यता 2. सुमेरियन सभ्यता 3. इंका सभ्यता 4. माया सभ्यता	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **प्राचीन विश्व में सामाजिक एवं आर्थिक स्थितियाँ** 1. व्यापार एवं अर्थव्यवस्था 2. नगरीकरण 3. समाज 4. संस्कृति	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **0**1 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदानकरना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्य वस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-1)
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-5

मध्यकालीन भारत के अंतर्गत- इतिहास जानने के स्रोतों, देवगिरि के यादव,द्वार समुद्र के होयसल एवं वारंगल के काकातीय राजवंश के बारे में बताया गया है। दक्षिण भारतीय साम्राज्य में नायक, चोल, राष्ट्रकूट एवं विजयनगर और बहमनी साम्राज्य का उल्लेख किया गया है। राजपूत काल के प्रतिहार, गहड़वाल, कुल्चुरी, चंदेल,परमार,चौहान, अहिलवाड़ा के चालुक्य एवं राजपूतों के राज्य, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का वर्णन किया गया है। सल्तनत काल में गुलाम, खलजी, तुगलक, लोदी वंश एवं सल्तनत कालीन सामाजिकआर्थिक और सांस्कृतिक व्यवस्था को दर्शाया गया है। भक्ति एवं सूफी आंदोलन को बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-5

1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास से संबंधित तथ्यों एवं अवधारणाओं को स्पष्ट किया जा सकेगा।
2. मध्यकालीन भारत के महत्वपूर्ण राजवंशों के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. मध्यकालीन राज्यों की शासन व्यवस्थ एवं आर्थिक-प्रणाली को समझा जा सकेगा।
4. भक्ति एवं सूफी आन्दोल का आरंभ, प्रसार एवं प्रभाव को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **दक्षिण भारतीय राज्य** 1. मध्यकालीन भारतीय इतिहास जानने के स्रोत 2. देवगिरि के यादव राजवंश 3. द्वारसमुद्र के होयसल राजवंश 4. वारंगल के काकातीय राजवंश	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **दक्षिण भारतीय साम्राज्य** 1.मदुरई के नायक राजवंश 2.चोल साम्राज्य (विशेष संदर्भ – स्थानीय प्रशासन) 3.राष्ट्रकूट राजवंश 4.विजयनगर और बहमनी साम्राज्य	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **राजपूत काल** 1. प्रमुख राजपूत राज्य - प्रतिहार, गहड़वाल, कलचुरी 2. चंदेल, परमार, चौहान, अहिलवाड़ा के चालुक्य 3. राजपूत राज्य व्यवस्था 4. राजपूतों का सामाजिक एवं आर्थिक जीवन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **सल्तनत काल** 1. गुलाम वंश, खिलजी, तुगलक और लोदी वंश 2. सल्तनतकालीन सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था व सांस्कृतिक जीवन 3.भक्ति आंदोलन 4. सूफी आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. रमशेचंद्र मजूमदार: प्राचीन भारत, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1962।
2. विमल चंद्र पाण्डेय: प्राचीन भारत का राजनैतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास, इलाहाबाद।
3. राजबली पाण्डेय: प्राचीन भारत, नंदकिशोर एण्ड संसद, वाराणसी, 1962।
4. राधाकुमुद मुकर्जी: प्राचीन भारत, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1962।
5. नगेन्द्रनाथ घोष एम.ए.: भारत का प्राचीन इतिहास: इंडियन प्रेस लिमिटेड प्रयोग, 1951।
6. रैप्सन, ई.जे.: कैंब्रिज हिस्टरी ऑफ इण्डिया, खंड-2।
7. रैप्सन, ई.जे.: एंशेण्ट इण्डिया, कैंब्रिज 1922।
8. राय चैधरी, एच.सी.: पोलिटिकल हिस्टरी ऑफ इण्डिया, चतुर्थ संस्करण, कलकत्ता, 1938।
9. नीलकंठ शास्त्री, के.ए.: हिस्टरी ऑफ इण्डिया, खंड-1, एंशेण्ट इण्डिया, मद्रास, 1950।
10. स्मिथ, बी.ए.: अर्ली हिस्टरी ऑफ इण्डिया, चतुर्थ संशोधित संस्करण, 1924।
11. नीलकंठ शास्त्री: ए कंप्रिहैंसिव हिस्टरी ऑफ इण्डिया, खंड-2, ओरियन्ट लांगमैन्स, 1957।
12. एलन, हेग, डाडवेल: दी कैंब्रिज शार्टर हिस्टरी ऑफ इण्डिया, कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 1934।
13. मजूमदार तथा पुसलकर: दी इंपीरियल एज ऑफ कन्नौज, भारतीय विद्या भवन, बंबई, 1953।
14. मजूमदार तथा पुसलकर: दी स्ट्रगल फॉर दि एम्पायर, भारतीय विद्या भवन, बंबई, 1953।
15. विशुद्धानंद पाठक: उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास, लखनऊ, 1980।
16. श्रीनेत्र पाण्डेय: प्राचीन भारत का राजनैतिक तथा सांस्कृतिक इतिहास, इलाहाबाद, 1979।

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: मध्यकालीन भारत का इतिहास (भाग-2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-06
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-6

भारत में बाबर के आने के पूर्व की स्थिति एवं मुगल साम्राज्य की स्थापना तथा चौसा और कन्नौज की लड़ाई व शेरशाह की प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में बताया गया है।मुगल साम्राज्य के सुदृढीकरण के अंतर्गत अकबर की राजपूत नीति, महारणा प्रताप, जहांगीर, शाहजहाँ एवं औरंगजेब की दक्षिण नीति का वर्णन किया गया है। मुगलों की प्रशासनिक व्यवस्था, आर्थिक व्यवस्था, स्थापत्य एवं साहित्यिक और सांस्कृतिक विकास की चर्चा की गई है।मराठा शक्ति के उत्कर्ष एवं शिवाजी के विषय में उल्लेख किया गया है। मुगल-मराठा संबंध और पेशवा का उदय एवं मराठा शक्ति के विस्तार के संबंध में दर्शाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-6

1. मध्यकालीन भारत में मुगलों के आगमन, सत्ता की स्थापना एवं उसके सुदृढीकरण संबंधी जानकारी प्राप्त होगी।
2. अकबर, जहांगीर, शाहजहाँ आदि शासकों की राजकीय कार्यप्रणाली एवं सामाजिक धार्मिक नीतियों को समझा जा सकेगा।
3. मध्यकाल में स्थापत्य एवं साहित्यिक प्रगति की स्थिति को स्पष्ट किया जा सकेगा।
4. मराठा शक्ति के उदय, प्रसार एवं प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मुगल साम्राज्य की	13	02		15	25

	स्थापना 1. बाबर के आगमन के पूर्व भारत की स्थिति 2. बाबर : मुगल साम्राज्य की स्थापना 3. हुमायूँ और शेरशाह – चौसा और कन्नौज की लड़ाई 4. शेरशाह सूरी की प्रशासनिक व्यवस्था					
मॉड्यूल-2	• **मुगल साम्राज्य का सुदृढीकरण व विस्तार** 1. अकबर – राजपूत व धार्मिक नीति तथा मंसबदारी व्यवस्था 2. महाराणा प्रताप 3. जहाँगीर और शाहजहाँ 4. औरंगजेब – दक्षिण नीति एवं मुगल काल का पतन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **मुगलों की प्रशासनिक, आर्थिक, राजनीतिक व सामाजिक नीतियाँ** 1. मुगलों की प्रशासनिक व राजनैतिक व्यवस्था 2. आर्थिक स्थिति 3. स्थापत्य और कला 4. साहित्य व सांस्कृतिक विकास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **मराठा साम्राज्य का उदय व विस्तार** 1. मराठा शक्ति का उत्कर्ष 2. शिवाजी 3. मुगलों के साथ मराठों का संबंध 4. पेशवा का उदय व मराठा शक्ति का विस्तार	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद

विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

3. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. म. गो. रानाडे : मराठा शक्ति का उदय
2. ग्रांट डफ : मराठों का नवीन इतिहास
3. सरदेसाई: मराठों का नवीन इतिहास, भाग 1, 2 एवं 3
4. जदुनाथ सरकार : शिवाजी एण्ड हिज टाइम्स
5. सतीश चंद्र : मध्ययुगीन भारत
6. मजूमदार तथा पुसलकर : दी मुगल एम्पायर, भारतीय विद्या भवन, बम्बई।
7. एलन, हेग, डाडवेल : दी कैम्ब्रिज शार्टर हिस्टरी ऑफ इण्डिया, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 1934।
8. भारद्वाज, दिनेश : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल, 1982
9. मेहरा, उमाशंकर : मध्यकालीन भारतीय संस्कृति, आगरा, 1982
10. लूनिया, बी.एन. : मुगल साम्राज्य का उत्कर्ष, कमल प्रकाशन, इन्दौर, 1980
11. श्रीवास्तव, ए. एल : मुगल कालीन भारत, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 1980
12. श्रीवास्तव, ए. एल : मध्यकालीन संस्कृति, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा, 1980
13. सिन्हा, बी. बी : मध्यकालीन भारत, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना, 1981
14. तपन रायचौधरी एवं इरफान हबीब, कैम्ब्रिज इकॉनोमिक हिस्ट्री ऑफ इंडिया, वॉल्यूम-2

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-1)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-07
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-7

आधुनिक विश्व में भौगोलिक खोजों, पुनर्जागरण, औद्योगिक क्रांति, यूरोप में धर्म सुधार, वाणिज्यवाद के विकास एवं प्रबोधन युग के विषय में उल्लेख किया गया है। फ्रांसीसी क्रान्ति के अंतर्गत पुरानी राजनीतिक, आर्थिक,सामाजिक स्थिति एवं फ्रांस की राज्य क्रांति और उसमें दर्शनिकों की भूमिका तथा नेपोलियन बोनापार्ट के उदय व पतन को बताया गया है। इटली एवं जर्मनी का एकीकरण, विस्मार्क की विदेश नीति एवं वियाना कांग्रेस, मेटरनिख व्यवस्था का वर्णन किया गया है। अमेरिका का स्वतन्त्रता संग्राम एवं आधुनिक जापान के उदय को संदर्भित किया गया है। रूसी क्रान्ति और नई आर्थिक नीति के संबंध में दर्शाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-7

1. आधुनिक विश्व इतिहास संबंधी तथ्यों एवं मान्यताओं को स्पष्ट किया जा सकेगा।
2. भौगोलिक, औद्योगिक एवं दार्शनिक खोजों के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. विश्व के प्रमुख संघर्षों, संधियों एवं प्रभावकारी परिणामों को जाना जा सकेगा।
4. प्रमुख राजनैतिक पहलों एवं राष्ट्रों के उदय को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **भौगोलिक खोज से औद्योगिक क्रांति** 1. भौगोलिक खोज एवं पुनर्जागरण 2. यूरोप में औद्योगिक क्रांति 3. यूरोप में धर्म सुधार और वाणिज्यवाद का विकास 4. वैज्ञानिक दृष्टिकोण का उदय: प्रबोधन का युग	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **फ्रांसीसी क्रांति** 1. पुरानी शासन व्यवस्था- राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक स्थिति 2. फ्रांस की राज्य क्रांति एवं क्रांति का स्वरूप 3. दार्शनिकों की भूमिका 4. नेपोलियन का उदय व पतन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **राष्ट्रीय राज्यों का उदय** 1. इटली का एकीकरण 2. जर्मनी का एकीकरण 3. विस्मार्क – विदेश नीति 4. वियना कांग्रेस, मेटरनिख व्यवस्था	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **यूरोप से इतर अन्य देशों में क्रांति एवं राष्ट्रवाद** 1. अमेरिका का स्वतंत्रता संग्राम 2. आधुनिक जापान का उदय 3. रूसी क्रांति 4. रूस में नई आर्थिक नीतिर	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कैटलबी, सी. डी. एम.: हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न टाइम्स
2. हेजन, सी. डी.: मॉडर्न यूरोपीयन हिस्ट्री
3. चैहान, देवेन्द्र सिंह: यूरोप का इतिहास (1815-1919)
4. फाइप, सी. एच.: ए हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न यूरोप
5. गूच, जी. पी.: ए हिस्ट्री ऑफ यूरोप
6. फिशर, एच. ए. एल.: ए हिस्ट्री ऑफ यूरोप
7. हेज, जे. एच.: पोलिटिकल एंड कल्चरल हिस्ट्री ऑफ मॉडर्न यूरोप भाग 1 एवं 2
8. ग्रान्ट एवं टेम्परले: यूरोप इन दि 19 एंड 20 सेन्चुरीज
9. मेरियट, जे. ए. आर.: इंग्लैंड सिंस वाटइलू
10. मेरियट, जे. ए. आर.: दि ईस्टर्न क्वेश्चन
11. जैन एवं माथुर: विश्व का इतिहास (1500-1950)
12. जैन एवं माथुर: विश्व का इतिहास (1500-2000)
13. पान्डेय, धनपति: आधुनिक एशिया का इतिहास
14. वर्मा, दीनानाथ: आधुनिक यूरोप का इतिहास
15. वर्मा, दीनानाथ: अंतर्राष्ट्रीय संबंध

16.

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना, हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक विश्व का इतिहास (भाग-2)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-08
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-8

प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम, वर्साय की संधि, लीग ऑफ नेशन की स्थापना तथा वाशिंगटन सम्मेलन के बारे में उल्लेख किया गया है। नजीवाद, फासीवाद एवं सैन्यवाद के विषय में बताया गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध, संयुक्त राष्ट्र संघ, शीत युद्ध एवं निरशस्त्रीकरण का वर्णन किया गया है।चीन में राष्ट्रवाद और साम्यवादी क्रांति के विषय में विवरण दिया गया है। एशिया में विउपनिवेशवाद तथा अरब-इजराइल संबंध कोबताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-8

1. प्रथम विश्वयुद्ध के कारण, परिणाम एवं प्रभाव तथा संबंधित संधि एवं सम्मेलन के विषय में जानकारी स्पष्ट होगी।
2. वैश्विक पअल पर समाजवाद के उद्भव एवं विकास तथा प्रमुख राष्ट्रोंके योगदान को समझा जा सकेगा।
3. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण, परिणाम एवं प्रभाव तथा संयुक्तराष्ट्र संघ की स्थापना को समझा जा सकेगा।
4. आधुनिक एशिया में राष्ट्रवाद, साम्यवाद, विउपनिवेशिकरण आदि को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• **प्रथम विश्वयुद्ध** 1. प्रथम विश्वयुद्ध के कारण एवं	**13**	**02**		**15**	**25**

	परिणाम 2. वर्साय की संधि 3. लीग ऑफ नेशन की स्थापना व कार्य 4. वाशिंगटन सम्मेलन – (1921-42)					
मॉड्यूल-2	• **समाजवाद के वैश्विक उभार के प्रति प्रतिक्रिया- नाजीवाद व फासीवाद** 1. जर्मनी में नाजीवाद 2. इटली में फासीवाद 3. जापान में सैन्यवाद (1931-45) 4. दो विश्व युद्धों के बीच निरस्त्रीकरण की समस्या	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **द्वितीय विश्वयुद्ध** 1. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण एवं परिणाम 2. संयुक्त राष्ट्र संघ 3. शीत युद्ध 4. सोवियत संघ का निर्माण एवं विघटन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **आधुनिक एशिया की राजनीतिक व्यवस्था** 1. चीन में राष्ट्रवाद 2. चीन में साम्यवादी क्रांति 3. एशिया में विउपनिवेशीकरण 4. अरब-इजराइल संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. A. Tardieu, The Truth about the Treaty, 1921.
2. Brandenburg, From Bismark to the World War, London, 1938.
3. C. Bluch, The causes of War, 1935.
4. Cambridge Modern History, Vol. XII, Cambridge, 1938.
5. C.D.M. Ketelbey, A History of Modern Times, London, 1951.
6. G.P. Gooch, Before the War : Studies in Diplomacy, 1936.
7. G.P. Gooch, History of Modern Europe, London, 1951.
8. Grant and Temperely, Europe in the Nineteenth and Twentieth Centuries, London, 1950
9. Hazen, Modern European History, New York.
10. Jackson, The between War World, London, 1947.
11. N. Manserg, The Comming of the First World War (1878-1914), 1949.
12. R. Lansing, The Big Four and others of the Peace Conference.
13. R.S. Baker, Wudro Wilson and the World Settlement, 3 Vol., 1923.
14. S.B. Fay, Origins of the War, 1923.
15. H.W.V. Temperly, A History of the Peace Conference, 3 Vol.
16. देवेन्द्र सिंह चौहान, यूरोप का इतिहास (1815-1919), मध्यप्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1995.
17. देवेन्द्र सिंह चौहान, समकालीन यूरोप, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1986.
18. दीनानाथ वर्मा, आधुनिक यूरोप का इतिहास, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना, 1993.
19. बी.के. श्रीवास्तव, विश्व इतिहास की विषय वस्तु, SBPD पब्लिकेशन, आगरा, 2007

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: इंग्लैंड का राजनैतिक एवं संवैधानिक इतिहास (भाग-1)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक-03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
ऐच्छिक-03

ट्यूडर निरंकुशता, प्रीवी कौंसिल, ट्यूडर पार्लियामेंट तथा स्थानीय शासन का वर्णन किया गया है। हेनरी सप्तम एवं हेनरी अष्टम, इंग्लैंड के धर्म सुधार आंदोलन, एडवर्ड सप्तम और मेरी व एलिजाबेथ के बारे में बताया गया है। स्टुअर्ड काल के अंतर्गत 17वीं शताब्दी, राजा एवं संसद का विरोध, जेम्स प्रथम व संसद तथा चार्ल्स प्रथम और गृहयुद्ध का उल्लेख किया गया है। जेम्स द्वितीय व ऐन तथा क्रामवेल और कामनवेल्थ के विषय में दिया गया है। पुनर्स्थापना और चार्ल्स द्वितीय का उल्लेख किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
ऐच्छिक-03

1. ट्यूडर काल के संवैधानिक इतिहास जिसमें प्रीवी कौंसिल, ट्यूडर पार्लियामेंट, स्थानीय शासन के विषय में जाना जा सकेगा।
2. ट्यूडर राजतंत्र के आलोक में इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन, मेरी व एलिज़ाबेथ के काल तथा नरी सप्तम और हेनरी अष्टम के विषय में जाना जाएगा।
3. स्टुअर्ट काल के अंतर्गत 17वीं शताब्दी, राजा एवं संसदऔर गृहयुद्ध के विषय में जाना जा सकेगा।
4. जेम्स द्वितीय, क्रामवेल और कामनवेल्थ, चार्ल्स द्वितीय के विषय में जानकारी स्पष्ट होगी।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/		

				Training/ Laboratory)		Course)
मॉड्यूल-1	• **ट्यूडर काल का संवैधानिक इतिहास** 1. ट्यूडर निरंकुशता 2. प्रीवी कौंसिल 3. ट्यूडर पार्लियामेंट 4. स्थानीय शासन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **ट्यूडर राजतंत्र** 1. हेनरी VII एव हेनरी VIII 2. इंग्लैंड में धर्म सुधार आंदोलन 3. एडवर्ड VII 4. मेरी व एलिजाबेथ	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **स्टुअर्ट काल** 1. एक महान सृजनात्मक युग के रूप में 17वीं शताब्दी 2. राजा व संसद का विरोध 3. जेम्स I व संसद 4. चार्ल्स I व गृह युद्ध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **स्टुअर्ड राजा व संसद** 1. जेम्स II व ऐन 2. क्रामवेल और कॉमनवेल्थ 3. पुनर्स्थापना 4. चार्ल्स II	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएंप्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: इंग्लैंड का राजनैतिक एवं संवैधानिक इतिहास (भाग-1)
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक-04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: द्वितीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
ऐच्छिक पेपर-04

इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति, विलियम तृतीय व मेरी, औद्योगिक क्रांति एवं इसके सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक परिणाम की चर्चा की गई है। जार्ज प्रथम, जार्ज द्वितीय, सर रॉबर्ट वालपोल एवं जार्ज तृतीय की व्यवस्था का उल्लेख किया गया है। विक्टोरिया, एडवर्ड सप्तम, जार्ज पंचम एवं जार्ज षष्टम का वर्णन किया गया है। एलिजाबेथ द्वितीय एवं ग्रेट ब्रिटेन व राष्ट्रमंडल के बारे में विवरण दिया गया है। ब्रिटेन की विदेश नीति और मंत्रिमंडल की सर्वोपरिता के बारे में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
ऐच्छिक पेपर-04

1. इंग्लैंड की गौरवपूर्ण क्रांति एवं औद्योगिक क्रांति कि शुरुआत, परिणाम तथा प्रभाव को जाना जा सकेगा।
2. हैनोवरकालीन इंग्लैंड में जार्ज प्रथम, जार्ज द्वितीय और शासन व्यवस्था को जाना जा सकेगा।
3. महारानी विक्टोरिया से एलिजावेथ द्वितीय तक की शासन व्यवस्था एवं प्रणाली को जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. ब्रिटेन के राष्ट्रमंडल,वैदेशिक नीति एवं मंत्रिमंडल की सर्वोपरिता को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **इंग्लैंड में क्रांति** 1. गौरपूर्ण क्रांति 2. विलियम III व मेरी 3. औद्योगिक क्रांति – इंग्लैंड में सर्वप्रथम क्यों 4. औद्योगिक क्रांति के सामाजिक, आर्थिक व राजनैतिक परिणाम	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **हैनोवरकालीन इंग्लैंड** 1. जार्ज I 2. जार्ज II 3. सर रॉबर्ट वालपोल 4. जार्ज तृतीय की व्यवस्था	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **महारानी विक्टोरिया से एलिजाबेथ द्वितीय तक (1)** 1. विक्टोरिया 2. एडवर्ड VII 3. जार्ज V 4. जार्ज VI	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **महारानी विक्टोरिया से एलिजाबेथ द्वितीय तक (2)** 1. एलिजाबेथ II 2. ग्रेट ब्रिटेन व राष्ट्रमंडल 3. ब्रिटेन की वैदेशिक नीति 4.मंत्रीमंडल की सर्वोपरिता	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

5. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदीविश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में अंग्रेजों का आगमन
(Name of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-09
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-9

मुगल साम्राज्य के पतन, देशी राज्यों के उदय, कर्नाटक-आंग्ल-फेंच संघर्ष एवं ईस्ट इंडिया कंपनी और बंगाल के नवाब के संबंध में उल्लेख किया गया है। आंग्ल-मराठा संघर्ष, ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढीकरण, भू-राजस्व प्रणाली एवं ब्रिटिश साम्राज्य के विस्तार को बताया गया है। ब्रिटिश विरोधी आंदोलनों के अंतर्गत नागरिक, आदिवासी विद्रोह, 1857 का विद्रोह एवं भारत में राष्ट्रवाद के उदय को दर्शाया गया है। ब्रिटिश भारत में अकाल एवं नागरिक व पुलिस व्यवस्था का वर्णन किया गया है। ब्रिटिश भारत में शिक्षा नीति एवं प्रेस का उदय व प्रेस नीति के संदर्भ में दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर- 09

1. मुगल साम्राज्य के पतन; कारण एवं प्रभाव को जाना जाएगा।
2. भारत में देशी राज्यों के उदय,आपसी संघर्ष एवं आंग्ल संबंधोंको रेखांकित किया जा सकेगा।
3. भारत में आंग्ल नीतियों एवं देशी रियासतों पर उसके प्रभाव को समझा जा सकेगा। भारत में प्रेस एवं शिक्षा के इतिहास को जानना सहज होगा।
4. 1857 के विद्रोह का कारण, प्रकृति, परिणाम एवं प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		

				Laboratory)		**Course)**
मॉड्यूल-1	• **मुगल साम्राज्य का पतन और देशी राज्य** 1. मुगल साम्राज्य का पतन - उत्तर मुगलकालीन शासक 2. देशी राज्यों का उदय-बंगाल, हैदराबाद, मैसूर, अवध व पंजाब, 3. कर्नाटक-आंग्ल – फ्रेंच संघर्ष 4. ईस्ट इंडिया कंपनी एवं बंगाल के नवाब (पलासी से बक्सर)	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **अंग्रेजी राज्य का विस्तार** 1. आंग्ल – मराठा संघर्ष 2. ईस्ट इंडिया कंपनी का सुदृढ़ीकरण (दीवानी, द्वैध शासन प्रणाली, रेगूलेटिंग एक्ट, पिट्स इंडिया एक्ट) 3. भू राजस्व प्रणाली (जमींदारी, रैयतवारी व महलवारी बंदोबस्त) 4. ब्रिटिश साम्राज्य का विस्तार – सहायक संधि और हड़प नीति	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **भारत में ब्रिटिश विरोधी आंदोलन एवं राष्ट्रवाद का उदय** 1. ब्रिटिश विरोधी जनआंदोलनों – नागरिक विद्रोह, आदिवासी 2. 1857 का विद्रोह – कारण एवं परिणाम 3. 1857 का विद्रोह – स्वरूप 4. भारत में राष्ट्रवाद का उदय	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **कंपनी की प्रशासनिक नीतियाँ** 1. ब्रिटिश भारत में अकाल एवं अकाल नीतियाँ 2. नागरिक व पुलिस व्यवस्था 3. शिक्षा नीति 4. प्रेस का उदय व प्रेस नीति	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Grover, B.L., (1983). A New look on Modern Indian History, New Delhi : S. Chand and Company,
2. Patnik S.R., (1984). British Rule in India, New Delhi.
3. Mukherjee R.K., The rise and fall of East India Company, Berlin, (1956).
4. Lyll, Alfred, Rise and expansion of British Dominion in India.
5. Malleson, G.M., The Decisive Balllas of India.
6. Keith A.B. constitutional History of India
7. Kieth Felings, warren Hastings
8. Lord Macaulay, Warren Hastings
9. Penderel moon, warren hastings and British India,
10. Dodwell , cambridge storter history,
11. Malleson G.B. life of lord clive,2 Vol.
12. Forrest G.W. life lord clive
13. Nandala chatterji, Clive as an administrator
14. Percival spear, Master of Bengal : clive and his India.
15. मजूमदार आर.सी., रायचौधरी हेमचन्द एवं दत्त कालिकिंकर, भारत का वृहत इतिहास, भाग-3, मैकमिलन, मद्रास, 1990
16. महाजन विद्याधर, आधुनिक भारत का इतिहास, एस.चन्द एण्ड कंपनी, नई दिल्ली, 1993
17. सरकार सुमित, आधुनिक भारत, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1993

18. शुक्ल रामलखन, आधुनिक भारत का इतिहास, दिल्ली, 1995
19. श्रीवास्तव बी.के., भारतीय इतिहास की विषयवस्तु, एस.बी.पी.डी. पब्लिकेशन, आगरा, 2010

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का उत्थान व विकास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-10
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-10

राजा राम मोहन राय एवं ब्रह्म समाज, दयानन्द सरस्वती एवं आर्य समाज, रामकृष्ण मिशन एवं विवेकानंद और मुसलमान व फारसी समुदाय में सुधार आंदोलन का विवरण दिया गया है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बंगाल विभाजन, क्रांतिकारी आंदोलन का विकास एवं सांप्रदायिकता केउदय और विकास का उल्लेख किया गया है। गांधी युग के अंतर्गत- महात्मा गांधी के जीवन, सत्याग्रह, विभिन्न आंदोलन एवं रचनात्मक कार्यक्रमों के संदर्भ में विवरण दिया गया है। सुभाष चन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज एवं क्रिप्स मिशन प्लान का वर्णन किया गया है। केबिनेट मिशन एवं माउण्टबेटन प्लान और भारत विभाजन के संदर्भ में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-10

1. भारत में धार्मिक सुधार आंदोलनोंका प्रांरभ प्रसार एवं प्रभाव के विषय में जाना जाएगा।
2. भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन के अंतर्गत विभिन्न राजनीतिक पड़ाव तथा आंदोलनों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. महात्मा गांधी एवं उनके द्वारा चलाए गए आंदोलनों और उसके प्रभाव को जाना जाएगा।
4. राष्ट्रीय आंदोलन के अंतिम चरण में विभिन्न आंग्ल नीतियों और उनकेबहिष्कार तथा भारत विभाजन को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		

				(Interaction/ Training/ Laboratory)		share to the Course)
मॉड्यूल-1	• **भारत में धार्मिक एवं सामाजिक सुधार आंदोलन और पुनर्जागरण** 1. राजा राम मोहन राय एवं ब्रह्म समाज 2. दयानंद सरस्वती एवं आर्य समाज 3. रामकृष्ण मिशन व विवेकानंद 4. मुसलमान व पारसी समुदाय में सुधार आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम** 1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं उसके चरण (नरम दल व गरमदल) 2. बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन 3. क्रांतिकारी आंदोलन का विकास 4. सांप्रदायिकता का उदय एवं विकास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **गांधी युग** 1. महात्मा गांधी : जीवन एवं उपस्थिति 2. भारत में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन – असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन एवं भारत छोड़ो आंदोलन 3. महात्मा गांधी एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 4. महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्य और उसके अंतर्विरोध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **राष्ट्रीय आंदोलन का अंतिम चरण और स्वतंत्रता प्राप्ति** 1. सुभाष चंद्र बोस और आजाद हिंद फौज 2. क्रिप्स मिशन प्लान 3. केबिनेट मिशन प्लान 4. माउंटबेटन प्लान और भारत विभाजन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8

पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)
संदर्भ ग्रंथ सूची

1. शर्मा सीताराम, उन्नीसवीं शती के भारतीय धार्मिक तथा सामाजिक जागरण, म.प्र. हिंदी ग्रंथ अकादमी, भोपाल, 1977
2. महाजन विधाधर, आधुनिक भारत का इतिहास, एस. चंद एंड कंपनी, नई दिल्ली, 1993
3. शर्मा एल.पी., आधुनिक भारत, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
4. शुक्ल रामलखन, आधुनिक भारत का इतिहास, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 1993
5. श्रीवास्तव, बी.के., भारतीय इतिहास की विषयवस्तु एस.वी.बी.डी. पब्लिकेशन्स, आगरा, 2011
6. चंद्र,विपिन, (2000),आधुनिक भारत में विचारधारा और राजनीति, अनामिका पब्लिशर्स, नई दिल्ली

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक इतिहास लेखन एवं इतिहासकार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-11
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पेपर- 11

भारतीय इतिहास लेखन परंपरा के अंतर्गत- प्राच्यवादी, साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी एवं मार्क्सवादी इतिहासकारों का वर्णन किया गया है। आधुनिक इतिहास लेखन परंपरा के अंतर्गत- सबाल्टर्न, एनालेस एवं संबन्धितइतिहासकारों और उत्तर-आधुनिक पद्धतियों का उल्लेख किया गया है। रणजीत गुहा,ज्ञान पांडे, मार्क ब्लोख, फ्रेडरिक जेमसन एवं जीन लियोटार्ड आदि के संदर्भ में विवरण दिया गया है। पाश्चात्य इतिहासकारों के अंतर्गत- एडवर्ड हेल्लेट, लियोपोल्ड वान रेंके, कॉलिंगवुड और एडवर्ड गिबन के विषय में बताया गया है। भारतीय इतिहासकारों में रमेशचन्द्र मजूमदार, यदुनाथ सरकार, इरफान हबीब एवं रोमिला थापर का उल्लेख किया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

पेपर -11

1. इतिहास लेखन परंपरा के अंतर्गत- प्राच्यवादी, साम्राज्यवादी, राष्ट्रवादी एवं मार्क्सवादी लेखकों के विषय में जाना जा सकेगा।
2. आधुनिक इतिहास लेखन परंपरा में सबाल्र्स, एनालेस एवं उत्तर आधुनिक लेखकों को जाना एवं समझा जा सकता है।
3. पाश्चात्य इतिहासकारों के अंतर्गत एडवर्ड हेल्लेट, लियोपोल्ड वॉन रेंके, रॉबिन जार्ज कॉलिंगउड एवं एडवर्ड गिबन को समझा जा सकेगा।
4. भारतीय इतिहासकारों में रमेश चंद्र मजूमदार, यदुनाथ सरकार, इरफान हबीब एवं रोमिला थापर के विषय में पढ़ने, जानने व सीखने को मिलेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• **इतिहास लेखन की परंम्परा** 1. प्राच्यवादी – 1) विलियम जोन्स 2) मैक्स मूलर 2. साम्राज्यवादी – 1) जेम्स मिल 2) माउंटस्टुअर्ट एलिफंस्टन 3. राष्ट्रवादी – 1) काशी प्रसाद जायसवाल 2) ताराचन्द 4. मार्क्सवादी – 1) दामोदर धर्मानंद कोसंबी 2) राम शरण शर्मा	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **इतिहास लेखन की आधुनिक परंपरा और उसके स्रोत** 1. आधुनिक भारतीय इतिहास जानने के स्रोत 2. सबाल्टर्न – 1) रंजीत गुहा 2) ज्ञान पाण्डे एवं शाहिद अमीन 3. एनालेस – 1) एरिक हॉब्सवॉम 2) मार्क ब्लोख 4. उत्तर आधुनिक – जीन लियोटार्ड 2) फ्रेडरिक जेमसन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **पाश्चात्य इतिहासकार** 1. एडवर्ड हेल्लेट 'टेड' कार 2.लियोपोल्ड वॉन रेंके 3.रॉबिन जार्ज कोलिंगउड 4.एडवर्ड गिबन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय इतिहासकार** 1. रमेशचन्द्र मजूमदार 2. यदुनाथ सरकार 3. इरफान हबीब 4. रोमिला थापर	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)

शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: स्वातंत्र्योत्तर भारत
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-12
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-12

आधुनिक भारत की संकल्पना और नेहरू, पंचवर्षीय योजनाएँ, विदेश नीति एवं धर्मनिरपेक्षिता और समाजवाद के विषय में बताया गया है। किसान आंदोलन, नक्सलवाड़ी एवं जनजातीय आंदोलन तथा भाषाई असंतोष एवं राज्यों का पुनर्गठन व श्रम सुधार तथा मजदूर आंदोलन के संबंध में वर्णन किया गया है। विनोवा भावे और भूदान,लोहिया और समाजवाद, आपातकाल और सम्पूर्ण क्रांति एवं पिछड़ी जाती के आंदोलनों का उल्लेख किया गया है। वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण एवं वैश्विक राजनैतिक संरचना और भारत के संदर्भ में दिया गया है। तकनीक और प्रगति तथा वैश्वीकरण के सामाजिक प्रभाव को दर्शाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-12

1. आधुनिक भारत की संकल्पना एवं पंचवर्षीय योजनाओं को जाना जा सकेगा।
2. आजादी के पश्चात भारत में किसान आंदोलन, जनजातीय आंदोलन एवं राज्यों के पुनर्गठन के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. स्वतंत्र भारत में शासन व्यवस्था के विरोध में किए गए आंदोलनों के विषय में जाना जा सकेगा।
4. भारत में वैश्वीकरण एवं उसके प्रभावों तथा तकनीकी विकास को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/		

				Laboratory)		**Course)**
मॉड्यूल-1	• **नेहरू युग** 1. आधुनिक भारत की संकल्पना और नेहरू 2. पंचवर्षीय योजना 3. नेहरू की विदेश नीति (गुटनिरपेक्ष आंदोलन, पंचशील) 4. धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **नागरिक असंतोष** 1. किसान आंदोलन – तेलंगाना एवं तेभागा आंदोलन 2. नक्सलवाड़ी एवं जनजातीय आंदोलन 3. भाषाई असंतोष एवं राज्यों का पुनर्गठन 4. श्रम सुधार एवं मजदूर आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **व्यवस्था विरोधी आंदोलन** 1. विनोबा भावे और भूदान आंदोलन 2. लोहिया और समाजवाद 3. आपात काल और संपूर्ण क्रांति 4. पिछड़ी जाति का आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारत में वैश्वीकरण और उसका प्रभाव** 1. वैश्वीकरण और आर्थिक उदारीकरण 2. वैश्विक राजनैतिक संरचना और भारत 3. तकनीक और प्रगति: बदलते मानक व प्रारूप 4. वैश्वीकरण का सामाजिक प्रभाव	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. नन्दा, बी. आर.: द नेहरूज : मोतीलाल एंड जवाहरलाल, 1962
2. नेहरू, जे. एन.: ए बंच ऑफ आकल्ड लेटर्स, 1958
3. नेहरू, जे. एन.: डिस्कवरी ऑफ इंडिया, 1945
4. नेहरू, जे. एन.: एन ऑटोबायोग्राफी, 1936
5. नेहरू, जे. एन.: इंडियाज फॉरेन पॉलिसी, 1961
6. नागपाल, ओम : भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, इंदौर, 1982
7. सिंह, वीरकेश्वर प्रताप : भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, पटना, 1984
8. अग्रवाल, आर. सी.: भारत का राष्ट्रीय आंदोलन एवं संवैधानिक विकास, दिल्ली, 1980

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयअधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा: समुद्रपारीय भारतीय समुदाय
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक-05
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)
ऐच्छिक पेपर-5 (भारतीय प्रवसन एवं डायस्पोरा)

भारतीय प्रवासन एवं डायस्पोरा के अंतर्गत- प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक एवं उत्तर औपनिवेशिक काल में स्थिति को दर्शाया गया है। समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा में श्रीलंका,न्यूजीलेंड,गुयाना, सूरीनाम एवं उत्तरी अमेरिका और यूनाइटेड किंग्डम का वर्णन किया गया है। भारतीय डायस्पोरा की पहचान संबंधी संघर्ष में महात्मा गांधी, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस एवं फिजी का उल्लेख किया गया है। अपने डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीतियों के अंतर्गत- स्वतन्त्रता पूर्व एवं स्वतन्त्रता के आरंभिक दशक में नीतियों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। वैश्वीकृत भारत एवं प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा के संबंध में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)
ऐच्छिक पेपर-5 (भारतीय प्रवसन एवं डायस्पोरा)

1. भारत से प्रवसन का प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक काल में तथ्यों को समझा जाएगा।
2. समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय के विषय में जाना एवं समझा जाएगा।
3. भारतीय डायस्पोरा से संबन्धित आंदोलन एवं संघर्ष को जाना जा सकेगा।
4. डायस्पोरा से संबन्धित राज्य की नीतियों एवं प्रयासों को जाना जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• भारतीय प्रवासन के चरण	13	02		15	25

	एवं स्वरूप 1. प्राचीन एवं मध्यकाल 2. आधुनिक/ औपनिवेशिक काल 3. उत्तर औपनिवेशिक काल (1950 से 1980) 4. उत्तर औपनिवेशिक काल (वैश्वीकरण के दौर – 1990 के बाद)					
मॉड्यूल-2	• **समुद्रपारीय भारतीय डायस्पोरा समुदाय** 1. हिन्द महासागर: श्रीलंका 2.प्रशांत क्षेत्र- न्यूजीलैंड 3. कैरेबियन क्षेत्र: गुयाना, सूरीनाम 4. उत्तरी अमरीका, यूनाइटेड किंगडम	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **भारतीय डायस्पोरा का पहचान के लिए संघर्ष** 1. महात्मा गांधी का समुद्रपारीय भारतीयों के मानवाधिकार के लिए संघर्ष में योगदान 2. दक्षिण अफ्रीका 3. मॉरीशस 4. फिजी	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय डायस्पोरा के प्रति भारतीय राज्य की नीति: इतिहास व वर्तमान** 1. स्वतंत्रतापूर्व 2. स्वतंत्रता के आरंभिक दशक 3. वैश्वीकृत भारत 4. प्रवासी भारतीय कार्य मंत्रालय और भारतीय डायस्पोरा	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री

तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. झा, द्विजेंद्र नारायण (1980), प्राचीन भारत: एक रूपरेखा, नई दिल्ली, मनोहर पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, ISSN 8173042160.
2. झा, द्विजेंद्र नारायण, श्रीमाली, कृष्ण मोहन (1981), प्राचीन भारत का इतिहास, दिल्ली , हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय.
3. चंद्र, सतीश (2000), मध्यकालीन भारत, नई दिल्ली , जवाहर पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, ISSN 8173610673.
4. बृज वी. लाल, पीटर रीव्स एंड राजेश राय (संपा.) (2006). द एनसाइक्लोपीडिया ऑफ द इंडियन डायस्पोरा, सिंगापुर, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, ISSN 9780824831642.
5. कोहेन, राबिन. (1997) ग्लोबल डायस्पोरा: एन इंट्रोडक्शन, वाशिंगटन : यूनिर्वसिटी ऑफ वाशिंग्टन प्रेस, ISBN 9780295976204.
6. जयराम, एन. (संपा.) (2004) 'द इंडियन डायस्पोरा: डायनॉमिक्स ऑफ माइग्रेशन'. नई दिल्ली सेज पब्लिकेशंस, ISBN 0761932186
7. जोशी, आर; राय, राजीव आर. आदि. (2014), भारतीय डायस्पोरा: विविध आयाम. नई दिल्ली राजकमल प्रकाशन, ISBN 978-81-267-2611-0.

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक एशिया का इतिहास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक-06
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: तृतीय**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)
ऐच्छिक पेपर-6

प्रथम एवं द्वितीय आंग्ल-चीन युद्ध, नानकिंग की संधि, तीन्तसिन की संधि तथा ताइपिंग विद्रोह व बाक्सर विद्रोह के विषय में उल्लेख किया गया है। जापान में मेईजी पुनर्स्थापना,जापान का आधुनिकीकरण, साम्राज्यवाद एवं चीन-जापान युद्ध का वर्णन किया गया है। रूस-जापान युद्ध,चीनी क्रांति 1911, ऑटोमन साम्राज्य, मुस्तफा कमाल पाशा एवं तुर्की के आधुनिकीकरण को बताया गया है। मिस्र के राष्ट्रवादी संघर्ष एवं अरब लीग को उल्लेखित किया गया है। इजराइल एवं फिलिस्तीन में यहूदी राज्य की स्थापना को दर्शाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)
ऐच्छिक पेपर-6

1. आधुनिक काल में आंग्ल एवं ऐशीययी राष्ट्रों के मध्य संघर्ष को समझा जा सकेगा।
2. जापान का आधुनिकीकरण, साम्राज्यवाद, चीन-जापान युद्ध के विषय में जानकारी प्राप्त होगी।
3. चीन की 1911 की क्रांति, आटोमान साम्राज्य एवं तुर्की के आधुनिकीकरण के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
4. पश्चिम ऐशिया के राष्ट्रवादी संघर्ष एवं आधुनिक काल में व्यवस्था को समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **चीन का इतिहास** 1. प्रथम आँग्ल-चीन युद्ध एवं नानकिंग की संधि 2. द्वितीय आँग्ल-चीनी युद्ध एवं तीन्तसिन की संधि 3. ताइपिंग – विद्रोह के कारण, महत्व और परिणाम 4. बॉक्सर विद्रोह	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **जापान का इतिहास** 1. जापान में मेईजी- पुनर्स्थापना 2. जापान का आाधुनिकीकरण 3. जापान का साम्राज्यवाद 4. चीन-जापान युद्ध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **राज्य, जापान एवं पश्चिम एशिया** 1. रूस-जापान युद्ध 2. चीन में 1911 की क्रांति 3. ऑटोमन साम्राज्य 4. मुसतफा कमाल पाशा और तुर्की का आधुनिकीकरण	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **पश्चिम एशिया का इतिहास** 1. मिस्त्र का राष्ट्रवादी संघर्ष 2. अरब लीग 3. इजरायल 4. फिलिस्तीन में यहूदी राज्य की स्थापना	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में भाषायी व क्षेत्रीय आंदोलन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-13
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-13

भारत में भाषा आयोग, पहले भाषायी राज्य की स्थापना, महाराष्ट्र व गुजरात का विभाजन एवं हरियाणा व पंजाब के विषय में उल्लेख किया गया है। भारत में अलगाववादी आंदोलन के अंतर्गत- वैचारिक पृष्टभूमि, कश्मीर, पंजाब एवं पूर्वोतार का वर्णन किया गया है। नए राज्यों के निर्माण के आलोक में झारखंड, उत्तरांचल, छतीसगढ़ एवं तेलांगना के बारे में बताया गया है। नव सामाजिक आंदोलन में स्त्री विमर्श एवं दलित विमर्श को दर्शाया गया है। पर्यावरणवादी एवं वर्ल्ड सोशल फोरम के संदर्भ में विवरण दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-13

1. आधुनिक भारत में भाषायी आंदोलन की प्रष्ठभूमि, परिणाम एवं प्रभाव को समझा जा सकेगा।
2. भारत में अलगाववादी आंदोलन को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. आधुनिक भारत में नवीन राज्यों के पुनर्गठन एवं उनकी भूमिका को समझा जा सकेगा।
4. भारत में नव सामाजिक आंदोलन के अंतर्गत स्त्री विमर्श, दलित विमर्श और पर्यावरण संबंधी विमाशों को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	• **भाषाई आंदोलन** 1. भाषा आयोग 2. पहले भाषाई राज्य की स्थापना- आंध्र प्रदेश- तेलगू आंदोलन 3. महाराष्ट्र व गुजरात का विभाजन 4. हरियाणा व पंजाब	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **भारत में अलगाववादी आंदोलन** 1. वैचारिक पृष्ठभूमी 2. काश्मीर 3. पंजाब 4. उत्तरपूर्व	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **नये राज्यों का निर्माण** 1. झारखंड 2. उत्तरांचल 3. छत्तीसगढ़ 4. तेलंगाना	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **नव-सामाजिक आंदोलन** 1.स्त्री विमर्श 2. दलित विमर्श 3. पर्यावरणवादी 4. वर्ल्ड सोशल फोरम – (समलैंगिक, थर्ड जेंडर, बी. टी. कॉटन) आंदोलन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)
संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Achary, S K (1990): 'Ethnic Process in North-Eastern India' in D Pakem (ed), Nationality, Ethnicity and Cultural Identity in North-East India, Omsons Publications, New Delhi, pp 69-108.
2. Bandy opadhyay, Sabari and Deash Chakraborty (1999): 'Migration in the North-Eastern Region of India during 1901-1991: Size, Trend, Reason and Impact', Demography India, Vol 28, No 1, pp 75-97.
3. Bareh, Hamlet. 1993. 'India's north-east and her ethnic character during the British and contemporary set-up', in B. Pakem (ed.): Regionalism in India (196-226). New Delhi. Har-Anand Publications.
4. Barua, Alokesh, "Introduction" in Alokesh Barua (ed.), 2005, India's North-East: Developmental Issues in a Historical Perspective, New Delhi, Manohar, p. 15.
5. Barua, Hem (1962): Red River and Blue Hills, Lawers Book Stall, Guwahati.
6. Bhakta, G.P. 1992. Geography of north-east India. Shillong: Akahi Book Depot. Bhattaehaijee, J.B. 1991. Social polity formation in pre-colonial north-east India: The Barak Valley experience. New Delhi. Vikas Publishing House.
7. Elwin, Verrier. 1960. The hill people of north-east India. Bombay: Oxford University Press.
8. Ghosh, Partha S. 2005. 'Challenge of governance and globalisation: A case study of India's north-east', Man and society (A journai of north-east studies), 2 (I)t 21-55.
9. Gopalakrishnan, R. 1991. The north-east India: Land, economy and people. New Delhi: Har-Anand Publications. . 1995. Insurgent mrth-eastern region of India. New Delhi: Vikas Publishing House.
10. Hazarika, Sanjoy. 2008. 'Virtual citizens, real problems', The telegraph (Guwahati), 17 September 2008: 16.

11. Hussain, Monirul (1987a): 'Muslims of Contemporary Assam: A Sociological Introductiot', Journal: North-East India Council for Social Science Research, Vol XI, No 2, October.

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारत – विचार एवं विचारक
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-14
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर-14

आधुनिक भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद बाल गंगाधर तिलक, अरविंद घोष एवं विनायक दामोदर सावरकर का उल्लेख किया गया है। आर्थिक राष्ट्रवाद, दादाभाई नौरीजी, आर.सी. मजूमदार एवं सखाराम गणेश देउस्कर का वर्णन किया गया है। आधुनिक राष्ट्रवाद, वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहब अंबेडकर एवं रामास्वामी नायर के संदर्भ में दिया गया है। मानवतावादी राष्ट्रवाद और रवीन्द्रनाथ टैगोर का विवरण प्रस्तुत किया गया है। माधव सदाशिव गोलवरकर एवं दीन दयाल उपाध्याय के संबंध में बताया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-14

1. भारत में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के उद्भव, विकास एवं प्रभाव तथा संबन्धित व्यक्तियों के विषय में जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. आधुनिक काल में भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों एवं आर्थिक राष्ट्रवाद की संकल्पना के विषय में जाना जा सकेगा।
3. भारत में राष्ट्रवाद की आधुनिक संकल्पना एवं संबन्धित महत्वपूर्ण व्यक्तियों के बारे में जाना और समझा जा सकेगा।
4. आधुनिक राष्ट्रवाद के मानवतावादी स्वरूप के समर्थकों के विषय मे जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		

				(Interaction/ Training/ Laboratory)		(Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	• **सांस्कृतिक राष्ट्रवाद** 1. सांस्कृतिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या 2. बाल गंगाधर तिलक 3. अरविंद घोष 4. विनायक दामोदर सावरकर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-2	• **आर्थिक राष्ट्रवाद** 1. आर्थिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या 2. दादाभाई नौरोजी 3. रमेश चन्द्र दत्त 4. सखाराम गणेश देउस्कर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **आधुनिक राष्ट्रवाद** 1. आधुनिक राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या 2. सरदार वल्लभभाई पटेल 3. बाबासाहेब भीमराव रामजी अंबेडकर 4. एरोड वेंकट रामास्वामी नायकर	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **मानवतावादी राष्ट्रवाद** 1. मानवतावादी राष्ट्रवाद : तात्पर्य एवं व्याख्या 2. रविन्द्रनाथ टैगोर 3. माधव सदाशिव गोलवरकर 4. दीन दयाल उपाध्याय	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र

उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

10.

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. गुप्त, व. एवं गुप्त, म. (2005). राजनीतिक विचारधाराएँ: उद्भव और विकास, नई दिल्ली: राधा पब्लिकेशन्स
2. गाबा, ओ.पी. (2001). राजनीति सिद्धान्त की रूपरेखा, नोएडा: मयूर पेपरबैक्स
3. अरोड़ा, एन.डी. (2011).राजनीति विज्ञान, नई दिल्ली: टाटा मैगरा हिल एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
4. बिस्वाल, त. (2016). तुलनात्मक राजनीति, नई दिल्ली: ओरिएंट ब्लैकस्वान प्राइवेट लिमिटेड
5. गुप्ता, जे. एन. (1911). लाइफ एंड वर्क ऑफ रोमशचंद्र दत्त. लंदन : जे. एम. डेंट एंड संस।
6. दत्त, रोमेश सी. (1944). द महाभारत. एपिक ऑफ द भारताज़. इलाहाबाद : किताबिस्तान।
7. दत्त, आर.सी. (1968). बिल्डर्स ऑफ मॉडर्न इंडिया. रोमेश चंद्र दत्त. पब्लिकेशन डिवीज़न, मिनिस्ट्री ऑफ इनफार्मेशन एंड ब्राडकास्टिंग, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया।
8. द्विवेदी, ए. एन. (1998). तोरु दत्त. ए लिटरेरी प्रोफाइल, नई दिल्ली : बी. आर. पब्लिकेशन।
9. मेहरा, पुरुषोतम. (1985) डिक्शनरी ऑफ मॉडर्न इंडियन हिस्ट्री. 1707-1947, दिल्ली : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
10. फिलिप्स, सी.एच. (1961). हिस्टोरियंस ऑफ इंडिया, पाकिस्तान एंड सीलोन. लंदन : ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय संविधान
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच-15
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पेपर-15

भारतीय शासन अधिनियम 1858, इंडियन काउंसिल एक्ट 1861,1892 तथा मार्ले मिंटो सुधार एवं 1935 के अधिनियम का उल्लेख किया गया है। भारतीय संविधान निर्माण, विशेषताएँ, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व राज्यपाल एवं संसद उच्चतम न्यायालय आदि का वर्णन किया गया है। भारतीय संविधान के स्रोत, मूल अधिकार व कर्तव्य, नीति निर्देशक तत्व एवं संघराज्य संबंध को बताया गया है। संविधान संशोधन की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण संशोधनों का विवरण दिया गया है। पंचायती राज एवं सूचना का अधिकार अधिनियम को समझाया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

पेपर-15

1. भारत में संवैधानिक विकास के अंतर्गत ब्रिटिश शासन काल में इसके क्रम को जाना एवं समझा जाएगा।
2. भारतीय संविधान के निर्माण एवं इसके महत्वपूर्ण संवैधानिक अंगों को जाना एवं समझा जा सकेगा।
3. भारतीय संविधान के स्रोतों, अधिकार एवं कर्तव्य तथा नीति निर्देशक तत्वों को जाना जा सकेगा।
4. स्वतंत्र भारत में संविधान में हुएप्रमुख संशोधनों एवं पंचायती राज के विषय में समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• भारत का संवैधानिक	13	02		15	25

	विकास 1. भारतीय शासन अधिनियम 1858 2. इंडियन कांउसिल एक्ट 1861, 1892 3. सांविधानिक सुधार- मार्ले-मिन्टो सुधार (1909), मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार (1919) 4. 1935 का भारत अधिनियम					
मॉड्यूल-2	• **भारतीय संविधान का निर्माण व स्वरूप** 1. संविधान सभा एवं संविधान का निर्माण 2.भारतीय संविधान की विशेषताएँ 3. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं राज्यपाल 4.संसद, उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **भारतीय संविधान** 1. भारतीय संविधान के स्रोत 2. मूल अधिकार व कर्तव्य 3. नीति निर्देशक तत्व 4. संघ- राज्य संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **भारतीय संविधान व संविधान संशोधन** 1. संविधान संशोधन की प्रक्रिया व 2. महत्वपूर्ण संविधान संशोधन- 42 वां एवं 44 वां संशोधन 3. पंचायती राज 4. सूचना का अधिकार	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री

तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)	**सत्रांत परीक्षा (75%)**

घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. विपिन चन्द्रा, स्वतंत्रता संघर्ष, नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली।
2. पाण्डे, बी.एन., ए सेन्चुरी हिस्टरी ऑफ इंडियन नेशनल कांग्रेस 3 Vol AICC, नई दिल्ली।
3. चन्द्रा विपिन, The Epic Struggle, ओरियन्ट लोंगमैन, नई दिल्ली।
4. गोपाल की कृति जवाहर लाल नेहरू: एक जीवनी, जार्ज एल्रन और ऐन्वीन, लंदन।
5. नन्दा, बी.आर., महात्मा गांधी: एक जीवनी, जार्ज एल्रन और ऐन्वीन, लंदन।
6. मेहरोत्रा, एस.आर., एमरजेन्स ऑफ इंडियन नेशनल कांग्रेस, विकास पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

1. "The terrible events of the Mutiny brought home to English men's mind the danger arising from the entire exclusion of Indians from association with the legislation of the country."

2. "The edition of the native element (to the councils) as, I think become necessary. No one will, I think, object to the only means of regaining in part the advantage, which we have lost unless he is prepared for the perilous experiment to continuing to legislate for millions of people with few means of knowing except by a rebellion, whether the laws suit them or not." **- Sir Barterle Frair**

3. "The evil which resulted to India from exclusion of natives from legislative Council of India were various. Government could never know the unsuitability of any of the laws and regulations which it passed. it could never here; as it ought to have heard the voice of the people on such a subject.

7. "The misfortune is that non-official members are not allowed to feel any responsibility and even it one of them asure it no opportunity is given them to render themselves useful."**Subramania**

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक 07
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	52
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. पाठ्यचर्या विवरण:_____
(Description of Course)

पेपर- 7

पारिस्थितिकी व पर्यावरण, प्रकृति व मानुषी, भारतीय भू-भाग एवं अध्ययन क्षेत्र को बताया गया है। प्राकृतिक संसाधन और मनुष्य, शिकारी अवस्था, कृषि का उदय, ऊर्जा, वन एवं वन उपज का उल्लेख किया गया है। प्राचीन, मध्यकालीन एवं आधुनिक भारत और पर्यावर्णिक चेतना तथा धार्मिक स्थापत्य व पर्यावरण को दर्शाया गया है। पर्यावरण और उपनिवेशवाद एवं जंजातीय समाज और पर्यावरण का वर्णन किया गया है।संसाधनों का दोहन एवं उसके पर्यावर्णिक प्रभाव तथा पर्यावरण असंतुलन और आर्थिक मूल्यांकन की बात क्ही गई है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

पेपर-7

1. भारत में पारिस्थिति की एवं पर्यावरणीय इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. आरंभिक भारतीय समाज एवं पर्यावरण के संबंधों को स्पष्ट किया जा सकेगा।
3. मध्यकाल में भारतीय समाज और पर्यावरन के प्रति उनकी सजगता एवं कार्यप्रणाली को जाना जा सकेगा।
4. आधुनिक काल में जनजातीय समाज का पर्यावरण पर निर्भरता और उसके प्रति कर्तव्य परायणता को जाना और समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• पारिस्थितिकी व	13	02		15	25

	पर्यावरण: परिचय 1. पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय इतिहास की आवश्यकता 2. प्रकृति और मनुष्य के बीच संबंध 3. भारतीय भू-भाग 4. अध्ययन क्षेत्र : पारिस्थितिकी व पर्यावरणीय					
मॉड्यूल-2	• **आरंभिक समाज और पर्यावरण** 1. प्राकृतिक संसाधन और मनुष्य समाज 2. शिकारी अवस्था 3. कृषि का उदय 4. ऊर्जा, वन और वन उपज (संसाधन)	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **प्राचीन व मध्यकालीन भारत की पर्यावरणिक चेतना** 1. प्राचीन भारत और पर्यावरण 2. मध्यकालीन भारत और पर्यावरण 3. धार्मिक स्थापत्य और पर्यावरण 4. आधुनिक भारत और पर्यावरणिक चेतना	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **उपनिवेशवाद और पर्यावरण** 1. पर्यावरण और उपनिवेशवाद 2. जनजातीय समाज और पर्यावरण 3. संसाधनों का दोहन और उसका पर्यावर्णिक प्रभाव 4. पर्यावर्णिक असुंतलन और आर्थिक मूल्यांकन	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. ऊर्जा :-हिंदी कि दुनिया http://www.staffinfo.in/2012/03/blog-post_4515.html retrived on 07/12/2016.
2. http://iashindi.com/energy/?print=print retrived on 08/12/2016
3. -http://www.hindikiduniya.com/events/national-energy-conservation-day retrived on 07/12/2016
4. https://hi.wikipedia.org/wiki retrived on 07/12/2016.
5. http://www.hindikiduniya.com/events/national-energy-conservation-day/ retrived on 07/12/2016.
6. http://iashindi.com/energy/?print=print retrived on 07/12/2016.
7. Habib, irfan(1995), *Essay in Indian History, Towards a Marxist Perspective,* New Delhi
8. Grove, Richard H.(1995), *Green Imperialism: Colonial Expansion, Tropical Island Edens and the Origins of Environmentalism,1600-1800,* Delhi
9. Gadgil, Madhav&Guha, Ramchandra(1992), *This Fisured Land: An Ecological History of india,* Delhi

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)

प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: महाराष्ट्र का इतिहास
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड:एमएएच ऐच्छिक 08
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 **4. सेमेस्टर: चतुर्थ**
(Credit) **(Semester)**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	26
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

4. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

पेपर-8

मराठों का आरंभिक इतिहास, शिवाजी और मराठा शक्ति का अभ्युदय को दर्शाया गया है। शिवाजी के उत्तराधिकारी एवं मराठा राजतंत्र और समाज का उल्लेख किया गया है। पेशवा का उदय, शक्ति का विकास, पानीपत का तृतीय युद्ध एवं आंग्ल मराठा संबंध की व्याख्या की गई है।धर्म सुधारक व विचारकों में नामदेव, तुकाराम, एकनाथ एवं समर्थ रामदास के विषय में बताया गया है। महाराष्ट्र के धर्म सुधारक एवं विचारकों में गोपाल गणेश आगरकर, एम.जी. रानाडे, पंडिता रमाबाई एवं सवित्री बाई फुले दिया गया है।

5.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

पेपर-8

1. महाराष्ट्र के क्षेत्रीय इतिहास को जाना एवं समझा जा सकेगा।
2. मराठा राज्य एवं शासकों के बारे में जानने और समझने को मिलेगा।
3. महाराष्ट्र के धर्म सुधारक एवं विचारकों के विषय में जाना जा सकेगा।
4. महाराष्ट्र में धर्म सुधार आंदोलन की शुरुआत एवं प्रभाव को जाना एवं समझा जा सकेगा।

6. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	• मराठा राज्यतंत्र	13	02		15	25

	1. मराठों का प्रारंभिक इतिहास 2. शिवाजी और मराठा शक्ति का अभयुदय 3. शिवाजी के उत्तराधिकारी – सम्भाजी, राजाराम, साहू द्वितीय और शाहजी 4. मराठा राज्यतंत्र और समाज – मोकासा, जागीर और सरन्जाम, चौथ और सरदेशमुखी					
मॉड्यूल-2	• **पेशवा शक्ति का विस्तार** 1. पेशवा का उदय – बालाजी विश्वनाथ 2. पेशवा शक्ति का विस्तार 3. पानीपत की तीसरी लड़ाई 4. आँग्ल-मराठा संबंध	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-3	• **धर्म सुधारक व विचारक-1** 1. नामदेव 2. तुकाराम 3. एकनाथ 4. समर्थ रामदास	**13**	**02**		**15**	**25**
मॉड्यूल-4	• **महाराष्ट्र में धर्मसुधारक व विचारक** 1. गोपाल गणेश आगरकर 2. महादेव गोविन्द रानाडे 3. पंडिता रमाबाई 4. सावित्री बाई फुले	**13**	**02**		**15**	**25**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

2. प्रत्येक सेमेस्टर में **01** क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

7. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	व्याख्यान, समूह परिचर्चा, संवाद
विधियाँ	शिक्षक केंद्रित विधि, विद्यार्थी केंद्रित विधि, विषय एवं सामग्री
तकनीक	पीपीटी, वृतचित्र
उपादान	संबंधित विषय में चेतना का निर्माण

8. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	संबंधित विषय में जिज्ञासा एवं कौतूहल पैदा करना	संबंधित विषय में संदर्भ ग्रंथों एवं मूल पाठ्यपुस्तको पढ़ने के अध्यवसाय का विकास करना	कक्षा में व्याख्यान द्वारा विद्यार्थी के मन में कक्षा व्याख्यान के प्रति आकर्षण एवं उत्प्रेरण पैदा करना	संबंधित विषय के अध्ययन, अध्यवसाय, कक्षा व्याख्यान एवं लेखन कौशल द्वारा विद्यार्थी को प्रवीण एवं पारंगत बनाना		संबंधित विषय में शोध और अनुसंधान की ओर प्रवृत्त होगा। अकादमिक क्षेत्र की विभिन्न प्रवृत्तियों में वह वैश्विक समन्वय स्थापित करेगा	संबंधित विषय में सरकारी एवं अर्द्धसरकारी क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे	पर्यटन के क्षेत्र में विशेषज्ञ के तौर पर रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे तथा निजी तौर भी इस क्षेत्र में अवसर तलाशे जा सकेंगे।

टिप्पणी:

1. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

9. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

10. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Text books/Reference/Resources)

संदर्भ ग्रंथ सूची

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना

Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)

(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Targets of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा :

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण **Teaching**	• उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) ❖ स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) ❖ स्नातक कार्यक्रम (UG Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) **Training (if any)**	
शोध **Research**	
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	